UP Board Notes Class 6 Hindi Chapter 19 इसे जगाओ (मंजरी)

भई, सूरज ..... खोया पड़ा है।

संदर्भ – प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक 'मंजरी' के 'इसे जगाओ' शीर्षक कविता से उद्धत हैं, इसके रचयिता कवि भवानी प्रसाद मिश्र हैं।

प्रसंग – इस कविता में कवि ने मनुष्य को आलस्य छोड़ने और समय पर जागने की प्रेरणा दी है।

व्याख्या – कवि सूरज और पवन से कहता है कि यह मनुष्य जो बहुत समय से सोया हुआ है, इसे । जगाओ। अर्थात् सवेरा हो गया है लेकिन मनुष्य इस सच से अंजान अपने ही सपनों में खोया हुआ सो रहा है।

भई पंछी,..... भागेगा यह।

संदर्भ और प्रसंग – पूर्ववत् ।

व्याख्या – कवि पक्षियों से कहता है कि सोए पड़े हुए इस मनुष्य के कानों के पास जाकर चिल्लाओ ताकि ये जाग जाए। इसको जागना जरूरी है बल्कि इसका वक्त पर जागना जरूरी है। अन्यथा देर से जागने पर यह घबरा के उनको पाने के लिए भागेगा जो कि इससे आगे निकल गए हैं।

क्षिप्र गति ..... कानों पर चिल्लाओ।

संदर्भ और प्रसंग – पूर्ववत् ।

व्याख्या – कवि कहता है कि घबरा के भागने और त्वरित गति यानी तुरंत भागने में अंतर है। त्वरित गति में मनुष्य सही समय का ध्यान रखते हुए सजगता के साथ भागता है, जबकि घबराहट में भागने में केवल घबराहट होती है। इसलिए अरे! सूरज इसे जगा दो, पवन इसे झकझोर दो और पंछियों इसके कानों के पास , चिल्लाओ ताकि यह समय रहते जाग जाए।

https://www.evidyarthi.in/